रसखान का अमर काव्य

खां0 धीरे≠स्र बर्मा पुस्तक-**चंत्रह**

कविवर रसखान पर एक समीचात्मक दृष्टि और उनकी उत्तमोत्तम कविताओं का चारु - चयन

> दुर्गाशंकर मिश्र एम. ए., साहित्यरत्न